

गौतम बुद्ध महाविद्यालय

सम्बद्ध-सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

पचपेड़वा, सांगठ, संतकबीर नगर (उ.प्र.)
(शिक्षा संकाय)



बी.एड.द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (प्रथम वर्ष)

सत्र : 20.23...-20.24..

सूक्ष्म शिक्षण-1
(Micro Teaching-1)

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम Jaya Dubey

शिक्षण विषय Micro teaching-1 माइको (पराधीन विद्यालय)

महाविद्यालय अनुक्रमांक

विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित अनुक्रमांक 24463150110007

सूक्ष्म शिक्षण (Micro teaching) - सूक्ष्म शिक्षण एक विशेष प्रकार की शैक्षिक तकनीक है। इसे शिक्षक द्वारा छात्राध्यापकों या छात्राध्यापिकाओं में विभिन्न प्रकार के कौशल उत्पन्न करने के लिए विशिष्ट व्युत्पन्न रचना कहना अधिक श्रेष्ठकर होगा। इसका प्रमुख उद्देश्य शिक्षक शिक्षण, प्रशिक्षण के छात्रों को शिक्षण कला के प्रमुख अंगों में परिचित करते हुए उन्हें कुशल शिक्षक बनाना है।

सूक्ष्म शिक्षण शिक्षक की क्रियाओं और व्यवहारों में आपेक्षिक सुधार करने का योजनावद्ध प्रयास है।

कक्षा के आकार और अध्यापन अवधि को छोटा करने की विधि को सूक्ष्म शिक्षण कहते हैं।

सूक्ष्म शिक्षण English के "Micro teaching" का हिन्दी रूपान्तरण है। जिसमें Micro का अर्थ - सूक्ष्म तथा Teaching का अर्थ - शिक्षण होता है। अपने नाम के अनुरूप ही सूक्ष्म-शिक्षण में बहुअवधि के लिए छोटी-छोटी कक्षाओं में शिक्षण कार्य किया जाता है।

सूक्ष्म शिक्षण की संकल्पना का अनुभव सर्वप्रथम अमेरिका (1961) में हुआ। भारत में सर्वप्रथम D.D. Tiwari (1967) ने सूक्ष्म शिक्षण शब्द का प्रयोग शिक्षण-प्रशिक्षण के क्षेत्र में किया।

सूक्ष्म-शिक्षण की कुछ परिभाषाएँ -

सूक्ष्म-शिक्षण विधि के जन्मदाता स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रो^० D.W. Allen के अनुसार - "सूक्ष्म शिक्षण एक सरलीकृत शिक्षण प्रक्रिया है जो छोटे आकार की कक्षा में कम समय में पूर्ण होती है।"

B.K. Passi के अनुसार - "सूक्ष्म-शिक्षण एक प्रशिक्षण विधि है, जिसमें छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका किसी एक शिक्षण कौशल का प्रयोग करते हुए थोड़ी अवधि के लिए छोटे छात्र समूह को कोई एक सम्प्रत्यय पढ़ाता है।"

शौरे. वी. एम. के अनुसार - "सूक्ष्म शिक्षण कम अवधि, कम छात्रों तथा कम शिक्षण क्रियाओं वाली प्रविधि है।"

एस. के. शर्मा के अनुसार - "सूक्ष्म शिक्षण एक विशेष प्रकार की एक शिक्षक प्रशिक्षक तकनीक है, जिसके द्वारा प्रशिक्षु छात्र पृष्ठपोषण का सहारा लेकर विशेष परिस्थितियों में कुछ विशिष्ट कौशल का विकास करता है।"

सूक्ष्म शिक्षण के अनुसार सिद्धान्त

स्लन तथा रियोन (1968) ने सूक्ष्म-शिक्षण के निम्नांकित पांच मूलभूत सिद्धान्तों का वर्णन किया है -

1. सूक्ष्म शिक्षण एक वास्तविक शिक्षण है।
इसमें परम्परागत शिक्षण की जटिलताओं को कम करके सरल स्थितियां उत्पन्न की जाती हैं।
2. इसके अन्तर्गत शिक्षण कार्य को अनेक लघु कौशलों में विभक्त कर एक समय में एक ही विशेष कौशल का प्रशिक्षण दिया जाता है।
3. इसके द्वारा ज्ञान प्राप्ति कौशल आदि तथा स्थानान्तरण के स्थान पर पृष्ठपोषण के व्यवहार को विकसित किया जाता है।

5. इसमें पृष्ठपौषण तथा अभ्यास पर अधिक जोर देते हुए शिक्षक व्यवहारों पर नियन्त्रण रखा जाता है।

सूक्ष्म-शिक्षण की विशेषताएं -

सूक्ष्म-शिक्षण की निम्नलिखित विशेषताएं हैं -

1. सूक्ष्म-शिक्षण शिक्षक प्रशिक्षण की एक आधुनिक शिक्षण विन्दु रचना अथवा तकनीक है।
2. इसमें शिक्षण की अवधि तथा विषय-वस्तु को सरलीकृत करके कम कर दिया जाता है।
3. यह शिक्षण से सम्बन्धित विभिन्न लघु कौशलों का पृथक-पृथक प्रशिक्षण प्रदान करती है।
4. इसमें वीडियो रिकॉर्डिंग की आधुनिक तकनीक का भी प्रयोग किया जाता है जो प्रशिक्षु अध्यापकों के लिए महत्वपूर्ण है।
5. यह शिक्षण कार्य को वैज्ञानिक तथा अनुद्देश्यात्मक बनाता है।
6. यह अभ्यास तथा सतत प्रयास के द्वारा कुशल शिक्षकों को तैयार करने की वैज्ञानिक विधि है।

प्रस्तावना कौशल - 1

क्र.सं.	कौशल के घटक	हाँ	नहीं
1.	कथनों एवं प्रश्नों का छात्रों के पूर्वज्ञान से सम्बन्ध	✓	
2.	कथनों एवं प्रश्नों का मूल पाठ से एवं उसके उद्देश्यों से सम्बन्ध	✓	
3.	विचारों, प्रश्नों व कथनों में श्रृंखला बद्धता प्रश्नों का समान वितरण	✓	
4.	उपयुक्त एवं समुचित विचार	✓	
5.	छात्र ध्यान एवं रुचि आकर्षण	✓	
6.	छात्रों को अभिप्रेरित करने की क्षमता	✓	
7.	अध्यापक में उत्साह एवं सजगता	✓	

सति-उत्तम ✓	उत्तम	साधारण
----------------	-------	--------

विद्यालय का नाम - गौतम बुद्ध महाविद्यालय, पचपेड़ा,
सन्त कबीर नगर.

छात्राध्यापिका का नाम - जया दूबे

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
02-01-2024	8	'अ'	विज्ञान	भौतिक विज्ञान	IIInd	5 min.

प्रकरण - 'चुम्बकत्व'

पूर्वज्ञान - बच्चे चुम्बक के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना के प्रश्न -

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र/छात्रा कथन
1.	ऐसे पदार्थ जो लौहे/लोहे की बने पदार्थ को अपनी ओर खींचते हैं क्या कहलाते हैं?	चुम्बक
2.	जो पदार्थ चुम्बक की तरफ आकर्षित होते हैं, क्या कहलाते हैं?	चुम्बकीय पदार्थ
3.	चुम्बक के कितने प्रकार होते हैं?	2 प्रकार - (1) प्राकृतिक (2) कृत्रिम चुम्बक चुम्बक
4.	चुम्बकत्व किसे कहते हैं?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन - बच्चों! आज हम चुम्बकत्व के बारे में अध्ययन करेंगे।

सुझाव/आलोचना -

हो निरीक्षक -

हो पर्यवेक्षक -

अनुशीलन कौशल

क्र० सं०	कौशल के घटक	हाँ	नहीं
1.	संकेत देना	✓	
2.	विस्तृत सूचना प्राप्ति	✓	
3.	पुनःकेन्द्रीकरण	✓	
4.	पुनः प्रेषण	✓	
5.	आलोचनात्मक सजगता		✓
6.			

अति-उत्तम ✓	उत्तम	साधारण
----------------	-------	--------

विद्यालय का नाम - गौतम बुद्ध महाविद्यालय, पंचपैड़ा, सांगठ
 सांगठ, सुन्त कबीर नगर
 छात्राध्यापिका का नाम - जया दुबे.

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	समय
03.01.2024	6	'A'	विज्ञान	भौतिक-विज्ञान	IIInd	5-Min

प्रकरण - 'प्रकाश'

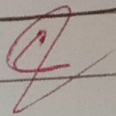
अनुशीलन कौशल के प्रश्न -

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र / छात्रा कथन
1.	हमें प्रकाश कि ससे प्राप्त होता है?	हमें प्रकाश सूर्य, चन्द्रमा, विद्युत बल्ब, दीपक से प्राप्त होता है।
2.	प्रकाश की गति किस प्रकार की होती है? संकेत (रेल की पट्टी के साथ) होती है।	प्रकाश सीधी सरल रेखा में गति करता है।
3.	दीप्त वस्तु किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताए।	जो वस्तु अपने प्रकाश से दीप्त (दिखाई) देता है, उसे दीप्त वस्तु कहते हैं। जैसे - सूर्य, बल्ब, दीपक आदि।
4.	अदीप्त वस्तु किसे कहते हैं? उदाहरण भी दीजिए।	जिसके पास अपना प्रकाश नहीं होता है। जो दूसरे के प्रकाश से दिखाई देता है। उसे अदीप्त वस्तु कहते हैं। जैसे - मोज, कुर्सी, किताब आदि।

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र / छात्रा कथन
5.	पारदर्शक वस्तु किस कहते हैं?	जिससे प्रकाश किरण आर-पार निकल जाती हैं। उसे पारदर्शक वस्तु कहते हैं। जैसे - शीशा (बिना कलई का दर्पण)
6.	अपारदर्शक वस्तु किस कहते हैं?	जिससे प्रकाश नहीं निकल पाता है। उसे अपारदर्शक वस्तु कहते हैं। जैसे - धातु.
7.	दर्पण में हमें अपना प्रतिबिम्ब क्यों दिखाई पड़ता है?	प्रकाश के परावर्तन के कारण।

सुझाव / आलोचना -

हं निरीक्षक -



हं पर्यवेक्षक -

अनुशीलन के प्रश्न

क्र.सं.	कौशल के घटक	हाँ	नहीं
1.	संकेत देना	✓	
2.	विस्तृत सूचना प्राप्ति	✓	
3.	पुनः केन्द्रीकरण	✓	
4.	पुनः प्रेषण	✓	
5.	आलोचनात्मक सजगता		✓

अति उत्तम ✓	उत्तम	साधारण
----------------	-------	--------

विद्यालय के नाम - गौतम बुद्ध महाविद्यालय, पचपेड़ा, सांगठ,
सन्त कबीर नगर.

छात्राध्यापिका का नाम - जया दुबे

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
04.01.2024	6	'A'	विज्ञान	भौतिक-विज्ञान	III अक्षर	5-min

प्रकरण - ऊर्जा (Energy).

अनुशीलन कौशल के प्रश्न -

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र/छात्रा कथन
1.	सूर्य से हमें क्या प्राप्त होता है?	सूर्य से हमें ऊर्जा प्राप्त होती है।
2.	सूर्य से प्राप्त ऊर्जा को क्या कहते हैं?	सौर ऊर्जा कहते हैं।
3.	आधुनिक युग में सौर ऊर्जा का उपयोग किस-किस कार्य में होता है? (संकेत देना)	सौर कुकर, सौर लइट, विद्युत उत्पादन, सौर पम्प आदि।
4.	वे पदार्थ जिनके दहन या जलाने से ऊर्जा प्राप्त होती है, उसे क्या कहते हैं?	उसे ईंधन कहते हैं।
5.	ध्वनि ऊर्जा किसे कहते हैं?	जो ऊर्जा हमें किसी ध्वनि से प्राप्त होती है, उसे ध्वनि ऊर्जा कहते हैं।
6.	विद्युत ऊर्जा किसे कहते हैं?	विद्युत द्वारा से प्राप्त ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा कहते हैं।

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र / छात्रा कथन
7.	तेजी से बहते हुए जल में कौन सी ऊर्जा होती है ?	गतिज ऊर्जा

सुझाव / आलोचना -

ह^० निरीक्षक -

ह^० पर्यवेक्षक -

पुनर्वचन कौशल

क्र.सं.	कौशल के घटक	हाँ	नहीं
1.	प्रशंसात्मक कथनों का प्रयोग	✓	
2.	हाव-भाव तथा अशाब्दिक शब्दों का प्रयोग	✓	
3.	छात्रों के भावों व विचारों से अपनी सहमति प्रकट करना	✓	
4.	नकारात्मक शाब्दिक कथनों का प्रयोग	✓	
5.	नकारात्मक अशाब्दिक कथनों का प्रयोग	✓	
6.	छात्रों के सही उत्तर को थ्याम्पटपरलिका	✓	
7.	पुनर्वचन का समुचित प्रयोग	✓	
8.	छात्रों के सुझाव का समर्थन		✓

अति-उत्तम ✓	उत्तम	साधारण
----------------	-------	--------

विद्यालय का नाम - गौतम बुद्ध महाविद्यालय, पचपैड़ा, सांगठ,
सन्त कबीर नगर
छात्राध्यापिका का नाम - जया दूबे.

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
05.01.2024	8	A	विज्ञान	भौतिक विज्ञान रसायन	II nd	5-Min

प्रकरण - परमाणु संरचना (Atom Structure)

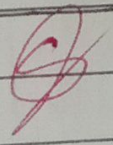
पुनर्वर्तन कौशल के प्रश्न -

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र/छात्रा कथन
1.	परमाणु किसे कहते हैं?	पदार्थ के सूक्ष्म अविभाजित कण को परमाणु कहते हैं।
2.	दो या दो से अधिक परमाणु मिलकर नया बनाते हैं। —: (बहुत अच्छा)	अणु बनाते हैं।
3.	हाइड्रोजन का एक परमाणु तथा क्लोरीन का एक परमाणु आपस में मिलकर नया बनाते हैं। श्यामपट्ट पर लिखना → $H + Cl = HCl$	हाइड्रोजन क्लोराइड बनाते हैं।
4.	परमाणु के मुख्य रूप से कितने कण होते हैं?	3 कण
5.	परमाणु के तीनों कणों के नाम बताइए।	इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, न्यूट्रॉन

क्र.सं.	द्वानाध्यापिका कथन	द्वान / द्वाना कथन
6.	इलेक्ट्रॉन की खोज किसने किया था?	जे.जे. थॉमसन ने
7.	प्रोटॉन की खोज किसने किया था?	रुदरफोर्ड ने
8.	न्यूट्रॉन की खोज किसने किया था?	जेम्स चैडविक ने
9.	इलेक्ट्रॉन पर कौन सा आवेश होता है?	ऋणावेश (-)
10.	प्रोटॉन पर कौन सा आवेश होता है?	धनावेश (+)
11.	न्यूट्रॉन पर कौन सा आवेश होता है?	कोई आवेश नहीं (Neutral)

सुझाव / आलोचना -

हो निरीक्षक -



हो पर्यवेक्षक -

उद्दीपन कौशल

कौशल के घटक

क्र.सं.

हाँ

नहीं

1.	शरीर संचालन	✓	
2.	भाव मुद्रा अभिव्यक्ति करना	✓	
3.	स्वर में उतार - चढ़ाव	✓	
4.	भाव केन्द्रीकरण करना	✓	
5.	छात्र - शिक्षक परस्पर क्रिया प्रारूप परिवर्तन करना	✓	
6.	विराम प्रयोग करना	✓	
7.	अल्प - दृश्य क्रम परिवर्तन करना		✓

अति-उत्तम

उत्तम

साधारण

विद्यालय का नाम - गौतम बुद्ध महाविद्यालय, पंचपेड़ा,
सांगठ, सन्त कबीर नगर।

छात्राध्यापिका का नाम - जया दुबे

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
06.01.2024	8th	A	विज्ञान	भौतिक-विज्ञान	प्रथम	5-10 min

प्रकरण - 'बल'

उद्दीपन कौशल के प्रश्न -

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन	छात्र/छात्रा कथन
1.	बल किसे कहते हैं?	किसी वस्तु पर खींचने या धक्का देने को बल कहा जाता है।
2.	बल द्वारा स्थिर वस्तुओं पर क्या प्रभाव पड़ता है?	गतिमान हो जाती हैं।
3.	बल क्या कर सकता है?	बल द्वारा वस्तु की स्थिति, गति तथा आकृति परिवर्तित हो सकती है।
4.	S.I. पद्धति में बल का मात्रक क्या है?	न्यूटन है।
5.	बल के दो सामान्य गुण बताइए।	बल में परिमाण तथा दिशा होती है।

क्र.सं.	दात्राध्यापिका कथन	छात्र/दात्रा कथन
6.	बल के प्रकार बताइए।	संपर्क बल और गैर-संपर्क बल
7.	CGS पद्धति में बल का मात्रक क्या है?	डाइन
8.	बल का सूत्र क्या है?	$f = m a$ $m =$ प्रत्यमान (mass) $a =$ त्वरण
9.	संपर्क बल के उदाहरण बताइए।	मांसपेशीय बल, यांत्रिक बल, घर्षण बल
	गैर-संपर्क बल के उदाहरण बताइए।	गुरुत्वाकर्षण बल, विद्युत बल, चुम्बकीय बल

सुझाव / आलोचना -

हम निरीक्षक -

④

हम पथवेक्षक -